कार्यक्रम रिपोर्ट

"काव्य वादन प्रतियोगिता"

हिंदी दिवस के अवसर पर, इक्फाई विधि संकाय, जयपुर के साहित्य एवम शोध संघ ने 25 सितंबर 2024 को काव्य वादन प्रतियोगिता, "सृजन का आयोजन किया। कविता के माध्यम से हिंदी भाषा की सुंदरता और महत्व का जश्न मनाने के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्रों को अपनी रचनात्मकता और भाषाई कौशल व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम दोपहर 2:20 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुआ, जो साहित्यिक अभिव्यक्ति के एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। यह शुभ कार्य आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रतिष्ठित रजिस्ट्रार श्री आर. नेसामूर्ति द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया: आईसीएफएआई विधि संकाय के डीन डॉ. हरीश कुमार वर्मा, आईसीएफएआई विधि संकाय की एसोसिएट डीन डॉ. प्रतिमा सोनी। डॉ. मीनल शर्मा, विभागाध्यक्ष, आईसीएफएआई स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स, और श्री अनुज कुमार चौधरी, आईसीएफएआई टेक स्कूल के सहायक प्रोफेसर इस प्रतियोगिता के निर्णायक रहे।

उद्घाटन समारोह के बाद, श्री आर. नेसामूर्ति ने प्रेरक शब्दों के साथ सभा को संबोधित किया। अपने प्रेरक भाषण में, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, "भाषा हमारी आजीविका की जननी है," हमारी पहचान और संस्कृति को आकार देने में भाषा की अभिन्न भूमिका पर जोर देते हुए , उनके शब्द दर्शकों के बीच गहराई से गूंज गए, जिससे प्रतिभागियों को सांस्कृतिक विरासत की अभिव्यक्ति और संरक्षण दोनों के माध्यम के रूप में हिंदी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

प्रतियोगिता आधिकारिक तौर पर दोपहर 2:30 बजे शुरू हुई, जिसमें 23 प्रतिभागी उत्सुकता से अपना "काव्य वादन" प्रस्तुत करने के लिए मंच पर आए। प्रतिभागियों द्वारा इतिहास, देशभक्ति, सामाजिक मुद्दों, आत्म-विकास, धार्मिक ग्रंथों और दर्शन से संबंधित कविताओं की एक विस्तृत श्रृंखला का पाठ किया गया। भावपूर्ण और स्पष्ट प्रदर्शन से दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए, जिसने छात्रों के हिंदी भाषा और साहित्य से गहरे संबंध को उजागर किया।

कार्यक्रम के निर्णायक डॉ. मीनल शर्मा और श्री अनुज कुमार चौधरी ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनकी रचनात्मकता, उच्चारण और भावनात्मक अभिव्यक्ति के आधार पर किया। पहले राउंड की कड़ी मेहनत के बाद, 12 प्रतिभागियों को दूसरे राउंड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया, जो दोपहर 3:30 बजे शुरू हुआ।

दूसरे दौर में छात्रों की प्रतिभा का और प्रदर्शन हुआ, जिससे निर्णायकों के लिए विजेताओं का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया।

शाम 4:00 बजे परिणाम घोषित किए गए। कुमारी अमिता सिंह बी.ए. एलएलबी (ऑनर्स) ने अपनी उल्लेखनीय और विचारोत्तेजक कविता के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में मेडल हासिल किया। श्री रवि और कुमारी प्रकृति भारद्वाज बीबीए.एलएलबी (ऑनर्स) ने अपने मनमोहक प्रदर्शन के लिए क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार के रूप में मेडल जीता। अंतिम चरण तक पोहोचने वाले 12 होनहार प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

कार्यक्रम का समापन साहित्य व शोध संघ की सचिव कुमारी अंकिता भारद्वाज द्वारा दिए गए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उन्होंने इस कार्यक्रम को शानदार ढंग से सफल बनाने के लिए आयोजन समिति, प्रतिभागियों, न्यायाधीशों और दर्शकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उनकी समापन टिप्पणियों में हिंदी को बढ़ावा देने और युवा पीढ़ी के बीच भाषा के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इक्फाई विधि संकाय में सहायक प्रोफेसर एवम साहित्य व शोध संघ के समन्वयक श्री मयंक मेहरा के मार्गदर्शन और अवलोकन में "काव्य वादन प्रतियोगिता" एक शानदार सफलता थी, जिसने कविता के शक्तिशाली माध्यम से हिंदी की समृद्ध विरासत का जश्न मनाया। इसने न केवल छात्रों की साहित्यिक प्रतिभा को प्रदर्शित किया बल्कि हमारे सांस्कृतिक और बौद्धिक विमर्श में हिंदी के महत्व को भी पुष्ट किया।

कार्यकर्म की छवियाँ नीचे संलग्न हैं:

सृजन
ICFAI
GPS Map Camera
Jaipur, Rajasthan, India
The Icfai University, 86, Baldeogarh, Jaipur, Rajasthan 302031, India
Lat 26.888813°
Long 75.891517°
25/09/24 04:04 PM GMT +05:30
Google

सृजन
GPS Map Camera
Jaipur, Rajasthan, India
The Icfai University, 86, Baldeogarh, Jaipur, Rajasthan 302031, India
Lat 26.888822°
Long 75.891559°
25/09/24 03:32 PM GMT +05:30
Google